अवधेश प्रताप सिंह, प्रमुख सचिव
मध्य प्रदेश विधान सभा

संक्षिप्त परिचय

सहज एवं सरल व्यक्तित्व के धनी अवधेश प्रताप सिंह, प्रमुख सचिव, मध्य प्रदेश विधान सभा का जन्म दिनांक 31 मार्च, 1961 को टीकमगढ़ जिले के ग्राम जेवर के कृषक परिवार में हुआ। आपकी प्रारंभिक शिक्षा टीकमगढ़ जिले में हुई।

श्री अवधेश के द्वारा एल.एल.बी. डिग्री दिल्ली विश्वविद्यालय से तथा MA (RPEG) की उपाधि भोपाल विश्वविद्यालय से अर्जित की गई। आपका चयन वर्ष 1985 में संसदीय सेवा में होने से शासकीय सेवा प्रारंभ की तथा भारतीय संसद् के राज्यसभा सचिवालय, नई दिल्ली में विधायी अधिकारी पदस्थ रहे, तदुपरांत वर्ष 1993 से मध्यप्रदेश विधान सभा सेवा में अवर सचिव के पद पर चयनित हुये तथा सभा एवं प्रशासनिक दायित्वों का कुशलता से निर्वहन किया। वर्ष 2016 से आपके द्वारा प्रदेश के सर्वोच्च संवैधानिक निकाय मध्यप्रदेश विधान सभा में प्रमुख सचिव (Principal Secretary) के पद का कार्यभार ग्रहण किया गया।

आपकी प्रांरभ से ही रूचि अध्यात्म, समाज सेवा की गतिविधियों एवं युवा व्यक्तित्व विकास में रही है। आप वर्ष 1982-83 में भोपाल विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष निर्वाचित हुये। वर्ष 1998 में युवा व्यक्तित्व विकास अंतर्राष्ट्रीय संस्था भारतीय जूनियर चेम्बर (JCI) के अध्यक्ष तथा वर्ष 2000 में राज्य उपाध्यक्ष बने। आप राजयोग फाउंडेशन, राष्ट्रीय प्रशासनिक प्रभाग, माउंट आबू, भारतीय संसदीय विद्यापीठ आदि संस्थाओं के संचालक मंडल में रहे हैं।

उपलब्धियां / पुरस्कार / सम्मान :

- विधान सभा के कार्य संचालन एवं सचिवालय प्रशासन का उत्कृष्टता एवं कुशलतापूर्वक विशेषत: कोविडकाल में निर्वहन करने के लिये अध्यक्ष लोकसभा द्वारा वर्ष 2021 का "संसदीय उत्कृष्टता सेवा सम्मान" प्रदान किया गया।
- बुंदेलखण्ड विकास परिषद द्वारा 'बुंदेली रत्न' सम्मान।
- उक्त के अतिरिक्त आपको कर्मयोगी प्रशासक की उपाधि से तथा आध्यात्मिक एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिये माननीय राज्यपाल द्वारा प्रशस्ति प्रदान किया गया।
- वर्ष 1999 में आपको भारतीय जूनियर चेम्बर द्वारा आउट स्टेन्डिंग यंग इंडियन आवार्ड से सम्मानित किया गया।
- वर्ष 2000 में समाजसेवी संस्था रोटरी के अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन दल (GSE Team) के सदस्य के रूप में प्रदेश स्तर पर चयन। इस अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन दल में आपने अमेरिका में एक माह रहकर वहां अपने कार्य क्षेत्र संसदीय प्रणाली एवं भारतीय संस्कृति आदि के संबंध में अध्ययन किया गया एवं व्याख्यान दिये।
- समाजसेवी कार्यों तथा समाज कल्याण की गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान के लिये आपको अनेक सेवा पुरस्कार प्राप्त हुये।
- आपने रोटरी मंडल की विभिन्न समितियों के चेयरमेन तथा वर्ष 2009 में सहायक मंडल अध्यक्ष के रूप में सामुदायिक सेवा एवं जरूरतमंदों के लिये सेवा योजनाओं, पोलियो उन्मूलन आदि को प्रदेश में प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिये तथा विशिष्ट उपलब्धियां अर्जित की। इसी संदर्भ में आपको 'कॉल हैरिस' फैलो सम्मान दिया गया।

विदेश प्रवास :

आपको विभिन्न दायित्वों के संदर्भ में व संसदीय समितियों के साथ देश व विदेश में अनेक स्थानों पर जाने का अवसर प्राप्त हुआ। आपके द्वारा राष्ट्र मंडल संसदीय संघ (Commonwealth Parliamentary Association) के अंतर्गत मध्य प्रदेश के मंत्रीगणों एवं विधायकों के प्रतिनिधि मंडल में फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्वीट्जरलैंड,

हॉलैण्ड, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटिश पार्लियामेंट, यू.के. व अन्य देशों की यात्रा की गई। आपके द्वारा वर्ष 2015 में लखनऊ में तथा 2016 में अहमदाबाद में आयोजित अखिल भारतीय विधानमण्डल पीठासीन अधिकारी एवं विधायी निकाय सचिव सम्मेलन में वर्ष 2017 में कनाडा में, 2018 में बांग्लादेश तथा वर्ष 2019 में युगांडा में आयोजित संसदीय संघ के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया।

आपकी संसदीय विषयों, समाजसेवा व अध्यात्म में रूचि के कारण ही प्रशासनिक व्यवस्तताओं के बावजूद आप विभिन्न शैक्षणिक व सामाजिक संस्थाओं से सक्रिय रूप में जुड़े हुये हैं ।

आप "मानवता की सेवा ही जीवन का श्रेष्ठ कार्य है" के ध्येय में विश्वास रखते हैं ।

आपकी पत्नी डॉ. प्रतिमा राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ की संचालक हैं तथा पुत्र अलौकिक अमेरिका में अटॉर्नी है व पुत्र अस्तित्व अध्ययनरत् है ।